कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने अपने 75वें स्थापना दिवस समारोह के शुभारंभ पर हिमाचल प्रदेश क्षेत्र को द्वितीय पुरस्कार से नवाजा गया

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में अपनी 75वीं वर्षगांठ का जश्न शुरू किया जिस मौके पर हिमाचल प्रदेश को छोटे क्षेत्रीय कार्यालयों की श्रेणी में क्षेत्रीय कार्यालय बद्दी (हिमाचल प्रदेश) के क्षेत्रीय निदेशक कर्नल मंजीत कटोंच को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

यह समारोह देश भर में श्रमिकों और उनके परिवारों को सात दशकों से अधिक समय से दी जा रही समर्पित सेवा का प्रतीक है। इस अवसर पर केंद्रीय श्रम एवं रोजगार एवं युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने मुख्य भाषण दिया।

लोकसभा सांसद श्री एन.के. प्रेमचंद्रन, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की सचिव सुश्री वंदना गुरनानी, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त श्री रमेश कृष्णमूर्ति, दक्षिण एशिया के लिए अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की सभ्य कार्य तकनीकी सहायता टीम और भारत के लिए कंट्री ऑफिस की निदेशक सुश्री मिचिको मियामोटो और श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, ईएसआईसी और ईपीएफओ के वरिष्ठ अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

सभा को संबोधित करते हुए डॉ. मनसुख मांडविया ने संस्था की यात्रा को विकास, सुधार और राष्ट्र सेवा का एक उल्लेखनीय उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि ईएसआईसी ने 1952 में लगभग 12 लाख लाभार्थियों और एक औषधालय के साथ अपनी यात्रा शुरू की थी और आज यह 166 अस्पतालों , 17 मेडिकल कॉलेजों और लगभग 1600 औषधालयों के विशाल नेटवर्क के माध्यम से 15 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को सेवा प्रदान कर रहा है। ईएसआईसी के विकास की तुलना एक बच्चे के परिपक्व और जिम्मेदार समाज के सदस्य बनने से करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संस्था ने बदलते समय के अनुरूप लगातार सुधार और सुदृढ़ीकरण किया है और आज देश में सामाजिक सुरक्षा का एक मजबूत स्तंभ बनकर उभरी है।

सफलता प्राप्त करने में प्रतिबद्धता और दृढ़ संकल्प के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. मांडविया ने इस बात पर बल दिया कि ईएसआईसी को अपने 75वें वर्ष में सुधार और प्रदर्शन के दृष्टिकोण को अपनाते हुए सेवा वितरण को और बेहतर बनाने के लिए सामूहिक संकल्प लेने चाहिए। सभी अस्पतालों में दवाओं, उपकरणों और डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए, उन्होंने आंतरिक सुविधाओं को मजबूत करके और कर्मचारियों द्वारा अपने कर्तव्यों का पूर्णतया निर्वहन सुनिश्चित करके रेफरल को कम करने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत में, " *स्वास्थ्य ही सेवा है, और* सेवा ही हमारा संस्कार है" और सभी चिकित्सा पेशेवरों और अधिकारियों से अनुशासन बनाए रखने और देश की जनता के विश्वास का सम्मान करने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि ईएसआईसी के मानकों को अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईएमएस) जैसे प्रमुख संस्थानों के समकक्ष होना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री ने श्रम संहिता में 40 वर्ष से अधिक आयु के सभी श्रमिकों के लिए अनिवार्य स्वास्थ्य जांच के प्रावधान पर प्रकाश डाला और कहा कि इससे श्रमिक कल्याण को मजबूत करने और एक सुरक्षित कार्यबल बनाने में योगदान मिलेगा। अपने संबोधन के समापन में, डॉ. मांडविया ने सभी हितधारकों से ईएसआईसी को स्वास्थ्य सुरक्षा का वैश्विक उदाहरण बनाने के लिए सामूहिक रूप से काम करने का आह्वान किया और इस बात पर जोर दिया कि सामूहिक प्रयास, समर्पण और टीम वर्क के माध्यम से "नया भारत" निर्मित हो रहा है।

अपने संबोधन में श्रम एवं रोजगार सचिव सुश्री वंदना गुरनानी ने कहा कि पिछले 75 वर्षों में ईएसआईसी (पूर्वी बीमा निगम) लगातार मजबूत होता गया है और भारत की सामाजिक सुरक्षा संरचना का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभरा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक स्वस्थ, सुरक्षित और संतुष्ट कार्यबल स्वाभाविक रूप से अधिक उत्पादक होता है और राष्ट्र के आर्थिक विकास में अधिक प्रभावी ढंग से योगदान देता है। उन्होंने रेखांकित किया कि बीमित व्यक्ति (आईपी) का उपचार करके ईएसआईसी केवल बीमारी का इलाज ही नहीं कर रहा है, बल्कि गरीबी को रोक रहा है, परिवारों के कमाने वालों की रक्षा कर रहा है और इस प्रकार राष्ट्र निर्माण में सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है।

प्रत्येक बीमित व्यक्ति को गरिमा और सम्मान के साथ स्वास्थ्य सेवा प्रदान किए जाने पर जोर देते हुए, उन्होंने आगे कहा कि श्रम संहिता लागू होने के साथ ही ईएसआईसी की जिम्मेदारियां काफी बढ़ गई हैं। इनमें अखिल भारतीय कवरेज, असंगठित और गिग श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा लाभों का विस्तार और ईएसआईसी सुविधाओं के माध्यम से 40 वर्ष से अधिक आयु के श्रमिकों के लिए वार्षिक स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था शामिल है। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए मलेशिया में भारत को दिए गए प्रतिष्ठित आईएसएसए सम्मान का भी उल्लेख किया और कहा कि इस उपलब्धि में ईएसआईसी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

प्लैटिनम जयंती के उपलक्ष्य में, ESIC@75 के उपलक्ष्य में एक स्मारक सिक्का जारी किया गया, जो राष्ट्र के प्रति निगम की 75 वर्षों की उल्लेखनीय सेवा यात्रा का प्रतीक है। इसके साथ ही, ESIC@75 कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया गया, जिसमें निगम की विरासत, उपलब्धियों और परिवर्तनकारी पहलों को प्रदर्शित किया गया है। स्वास्थ्य सेवाओं को लाभार्थियों के करीब लाने और उनकी पहुंच को मजबूत करने के लिए स्वास्थ्य रथ पहल भी शुरू की गई। इसके

अतिरिक्त, श्रम संहिता के प्रावधानों के अनुरूप वार्षिक स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया गया, ताकि निवारक स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा दिया जा सके और 40 वर्ष और उससे अधिक आयु के श्रमिकों में व्यावसायिक रोगों का शीघ्र पता लगाया जा सके।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) और कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के बीच ईएसआई योजना को आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) के साथ एकीकृत करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिसका उद्देश्य समन्वित स्वास्थ्य सेवा वितरण को मजबूत करना और गुणवत्तापूर्ण सेवाओं तक पहुंच का विस्तार करना है। इस समझौता ज्ञापन पर एनएचए के संयुक्त सचिव श्री संजय मेहरिशी और ईएसआईसी के महानिदेशक श्री अशोक कुमार ने हस्ताक्षर किए। ईएसआईसी और राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) के बीच एक अन्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिसका उद्देश्य ईएसआईसी की स्वास्थ्य सुविधाओं में गुणवत्ता आश्वासन और प्रत्यायन को बढ़ावा देना है। इस समझौते पर एनएबीएल के सीईओ डॉ. रामानंद एन. शुक्ला और ईएसआईसी के चिकित्सा आयुक्त (एमएस) डॉ. आर. श्रीनिवासन ने हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य प्रयोगशाला सेवाओं को मजबूत करना और राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करना है।

इस कार्यक्रम के दौरान, कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के उत्कृष्ट क्षेत्रीय इकाइयों और चिकित्सा संस्थानों को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पुरस्कार प्रदान किए गए। ये पुरस्कार देश भर में सेवा वितरण और स्वास्थ्य सेवा प्रशासन में उत्कृष्टता के प्रति ईएसआईसी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं।

इस आयोजन के दौरान एक प्रदर्शनी आयोजित की गई जिसमें ईएसआईसी की उत्पत्ति और विकास को प्रदर्शित किया गया, साथ ही श्रम कल्याण और सामाजिक सुरक्षा में इसके योगदान को भी उजागर किया गया। इसमें श्रम संहिता के तहत ईएसआईसी की भविष्य के लिए तैयार भूमिका पर भी बल दिया गया, जिसमें व्यापक कवरेज, बेहतर सेवा वितरण और मजबूत सामाजिक सुरक्षा ढांचे के लिए प्रौद्योगिकी-आधारित परिवर्तन पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम में "अछूतों तक पहुंचना - सामाजिक सुरक्षा संहिता के अंतर्गत नए आयाम" और "चिकित्सा देखभाल की व्यापकता और पहुंच के लिए नए मॉडल" विषयों पर दो पैनल चर्चाएं आयोजित की गईं। पहले सत्र में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन, वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के विशेषज्ञों ने सामाजिक सुरक्षा कवरेज के विस्तार और

सुदृढ़ीकरण पर विचार-विमर्श किया। दूसरे सत्र में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, कर्मचारी राज्य बीमा निगम और विश्व स्वास्थ्य संगठन से जुड़े प्रतिष्ठित पेशेवरों ने स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच, सुगमता और गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए नवीन और व्यापक मॉडलों पर ध्यान केंद्रित किया।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईश्वर) 24 फरवरी से 10 मार्च 2026 तक अपने सभी क्षेत्रीय कार्यालयों, अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों में विशेष सेवा पखवाड़ा मनाएगा। इस पहल का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं, सामाजिक सुरक्षा और कल्याणकारी सेवाओं को बीमित श्रमिकों के करीब लाना और उनकी पहुंच बढ़ाना है। गतिविधियों में सेमिनार, जागरूकता और स्वच्छता शिविर, बुनियादी जीवन रक्षक प्रशिक्षण, स्वच्छता अभियान और श्रम संहिता के प्रावधानों के अनुरूप व्यावसायिक रोगों का शीघ्र पता लगाने के लिए 40 वर्ष और उससे अधिक आयु के बीमित व्यक्तियों के लिए दैनिक स्वास्थ्य जांच शिविर शामिल होंगे। सेवा वितरण और लाभार्थी संतुष्टि को मजबूत करने के लिए निवारक जांच, योग और आयुष शिविर, शिकायत निवारण सत्र और लंबित दावों और बिलों के शीघ्र निपटान के लिए विशेष अभियान भी चलाए जाएंगे।

24 फरवरी को प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला ईएसआईसी स्थापना दिवस, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम के तहत 1952 में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) की स्थापना की स्मृति में मनाया जाता है। यह अधिनियम भारत के श्रमिकों के लिए बनाए गए सबसे पुराने सामाजिक सुरक्षा कानूनों में से एक है। कानपुर और दिल्ली में शुरू हुई ईएसआई योजना का विस्तार 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 713 जिलों तक हो चुका है और यह लाखों लाभार्थियों को स्वास्थ्य सेवा और वित्तीय सुरक्षा प्रदान करके सामाजिक सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन गई है। 75वां स्थापना दिवस ईएसआईसी की श्रमिक कल्याण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता और एक आधुनिक, करुणामय और उत्तरदायी सामाजिक सुरक्षा संस्था के रूप में इसके निरंतर विकास

की पुष्टि करता है। पिछले 75 वर्षों में, ईएसआईसी ने व्यापक चिकित्सा देखभाल, नकद लाभ, पेंशन और बीमारी, मातृत्व, विकलांगता, रोजगार चोट और बेरोजगारी के दौरान सहायता प्रदान करके भारत के सामाजिक सुरक्षा परिदृश्य में महत्वपूर्ण परिवर्तन किया है - इस प्रकार एक स्वस्थ, सुरक्षित और सशक्त कार्यबल के लिए एक विकसित भारत की परिकल्पना में योगदान दिया है।